

‘बुद्धिजीवियों’ का राजनीतिक सोच व आकलन जनता के आकलन से मेल नहीं खाता’

अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव के नतीजों ने बेमेल राजनीति की विडम्बना को उजागर किया

—अंजन राय—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 6 नवम्बर। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों में डॉनल्ड ट्रम्प की स्पष्ट जीत, अमेरिका की राजनीति में, चरम

गए। डॉनल्ड ट्रम्प ने, बढ़ते इमिग्रेशन को लेकर असंत अमेरिकी नागरिक के भय का लाभ उठाया। जिसके कारण लोगों में आर्थिक असुरक्षा की भावना



डॉनल्ड ट्रम्प की जीत ने अमेरिका के बुद्धिजीवियों व पत्रकारों को निरुत्तर कर दिया।

- अमेरिका के मीडिया ने ही नहीं, पाश्चात्य देशों के मीडिया ने जमकर, बिना हिचक ट्रम्प का विरोध किया था, और कमला हैरिस का समर्थन, पर जनता की भावना इससे अलग थी।
- ट्रम्प ने एक साधारण श्वेत अमेरिकी के मन में विदेशियों के भारी आगमन से जनित भय व असुरक्षा की भावना को खूब भड़काया और अन्त में भारी राजनीतिक लाभ उठाया।
- इसी प्रकार, ट्रम्प ने आम मतदाता के मन में यह भर दिया कि, अमेरिकी इकॉनमी की हालत खस्ता है। यह सच नहीं है, अमरीकी इकॉनमी 3 प्रतिशत रेट से बढ़ रही है, जो बहुप्रतिष्ठित मैगज़ीन ड इकॉनमिस्ट के अनुसार ऐतिहासिक उपलब्धी है। खस्ता इकॉनमी की ‘खबर’ ने भी आम मध्यम वर्ग अमेरिकी के मन में बेचैनी पैदा की, जिसे भी ट्रम्प ने बखूबी, होशियारी से राजनीतिक लाभ उठाने के लिए काम में लिया। आम श्वेत अमेरिकी नागरिकों में व्याप्त निराशा की भावना भी ट्रम्प के लिए मददगार साबित हुई।

दक्षिणपंथी नीतियों तथा रूढ़िवाद की पुनरुत्थिति है। उदारवादी मूल्य, कट्टर दक्षिणपंथियों के स्पष्ट झूठों से भी हार

पैदा हो गई है, चाहे वो कितनी भी गलत क्यों न हो। विकसित देशों में अमेरिका की

अर्थव्यवस्था सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रही थी तथा ऊंची ब्याज दरों के बावजूद, जानी-मानी पत्रिका “द इकॉनमिस्ट” ने उसकी प्रशंसा की “ग्रेविटी डिफाई एक्सपीरिएंस” कहा था। एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में वर्षों तक

अमेरिका की 3 प्रतिशत प्रगति रही है, जो कि अभूतपूर्व है। तथापि, देश के आर्थिक दु:खों को दोहराने, तेल तथा कुछ खाद्य पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि जैसी कमियों को बार-बार (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घड़ी चुनाव चिन्ह पर अजीत पवार को सुप्रीम कोर्ट ने सख्त निर्देश दिया

—जाल खंबाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 6 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अजीत पवार के नेतृत्व वाली एन. सी. पी. (नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी) को आदेश दिया कि 36 घंटे के अंदर अखबारों, जिनमें मराठी दैनिक भी शामिल हैं, में डिस्कलेमर छपवाएँ और कहे कि “घड़ी” चुनाव चिन्ह न्यायालय के विचारधीन है।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्ज्वल भूयन को बेंच ने यह निर्देश दिया। अजीत पवार गुट के वकील बलबीर सिंह ने कोर्ट को 36 घंटे में डिस्कलेमर प्रकाशित होने का आश्वासन दिया।

बेंच ने पूछा था कि अखबारों में डिस्कलेमर छपवाने के लिए आपकों कितना समय चाहिए। हम आपको दिन नहीं दे रहे हैं, हम पूछ रहे हैं कि आप कितने घंटों में यह कर सकते हैं।

शुक्रात में वरिष्ठ वकील बलबीर सिंह ने कहा था कि एन. सी. पी. सुप्रीम कोर्ट द्वारा घड़ी चुनाव चिन्ह इस्तेमाल पर

राहुल ने ट्रम्प को बधाई दी

—जाल खंबाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 6 नवम्बर। “एक्स” पर पोस्ट किये गये एक मैसेज में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिकन राष्ट्रपति के चुनाव में डॉनल्ड ट्रम्प की जीत के लिये उनको बधाई दी है। मैसेज में लिखा है “डॉनल्ड

■ एक्स पर अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने कमला हैरिस को भी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

ट्रम्प। आपकी जीत पर आपको बधाई। अमेरिकन राष्ट्रपति के रूप में आपके दूसरे कार्यकाल में आपकी सफलता के लिये शुभकामनाएं।

“कमला हैरिस को, उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।”

मोदी ने ट्रम्प को जीत की बधाई दी

नयी दिल्ली, 06 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज करने पर डॉनल्ड ट्रंप को बधाई दी है और उनसे भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करके वैश्विक शांति के लिए काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

ट्रम्प की वापसी भारतीय व्यापारियों के लिए खतरे की घण्टी है?

ट्रम्प के प्रशासन में भारत में निर्मित सामान, जैसे कार, टेक्सटाइल्स व फार्मास्युटिकल्स को अमेरिका द्वारा बढ़ाई गई कस्टम ड्यूटी आदि का सामना करना पड़ेगा

—सुकुमार साह—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 6 नवम्बर। अमेरिका ने डॉनल्ड ट्रम्प को चुनकर पुनः वाइट हाउस भेजा है। वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे।

निर्यात आय अमेरिका से होती है। वीजा नीति में कोई बदलाव हुआ तो आई. टी. सैक्टर पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। दोनों देशों के बीच सालाना 190 अरब डॉलर का व्यापार होता है।

■ प्रधानमंत्री ने ट्रम्प से लोगों की भलाई, विश्व शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए काम करने का आह्वान किया।

में लिखा, “मेरे मित्र डॉनल्ड ट्रंप, आपकी ऐतिहासिक चुनाव जीत पर हार्दिक बधाई। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए उत्सुक हूँ।”

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनशिटिव (जी. टी. आर. आई.) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव कहते हैं कि ट्रम्प चीन के अलावा भारत व कई अन्य देशों पर भारी टैक्स लगा सकते हैं। ट्रम्प ने पूर्व में ज्यादा टैक्स के लिए भारत की कड़ी आलोचना की तथा 2020 में भारत को “टैक्स अब्यूज़र” और “टैरिफ किंग” की उपाधि दी थी। इन टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल भारतीय व्यापार की दृष्टि से अच्छा नहीं होगा।

विशेषज्ञ कहते हैं कि ट्रम्प एच-वनबी वीजा नियमों को और सख्त बना सकते हैं, जिससे इंडियन आई. टी. कंपनियों की प्रगति व लागत प्रभावित होगा। चूंकि भारत की 80 प्रतिशत आई

भारतीय सामानों पर भारी टैक्स लगा सकते हैं, जिससे भारतीय सामान अमेरिका में ज्यादा महंगा बिकेगा और बाजार प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाएगा।

‘बिना पूर्व सूचना घर नहीं तोड़ सकती सरकार’

—डॉ. सतीश मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 6 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने, योगी सरकार द्वारा उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना घरों को तोड़ने के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश को आज आड़े हाथों लिया और कहा कि रातोरात घरों को धराशायी नहीं किया जा सकता। परिवारों को घर खाली करने के लिए समय दिया जाना चाहिए।

■ सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2020 के एक मामले में यू.पी. सरकार को फटकारा और कहा कि ऐसा करना गैर कानूनी है।

था। इस व्यक्ति का मकान 2019 में ध्वस्त कर दिया गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि उनका मकान, एक राजमार्ग पर कथित अतिक्रमण को लेकर, बिना कोई पूर्व सूचना दिये, ढहा दिया गया था।

इस केस की सुनवाई का नम्बर, संयोगवश, ऐसे समय पर आया, जब सर्वोच्च न्यायालय की एक अन्य बेंच “बुलडोजर जस्टिस” को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रही है। ज्ञातव्य है कि “बुलडोजर जस्टिस” शब्दवाली का प्रयोग उन सम्पत्तियों को ध्वस्त कर देने के लिये किया जा रहा है, जो क्रिमिनल केसों के आरोपियों की हैं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल के “अतिवाद” से चिंतित, कांग्रेस का एक वरिष्ठ नेताओं का खेमा

यह नेता गण मानते हैं, कि बार-बार अडानी के खिलाफ हर मंच से बोलने से यह छवि बन रही है कि राहुल “कॉरपोरेट जगत” व बिज़नेस के खिलाफ हैं

—रेणु मिश्रा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 6 नवम्बर। राहुल गांधी किन्हीं भी मानकों के हिसाब से एक अतिवादी व्यक्ति हैं। उनके कुछ प्रिय एवं पसंदीदा विषय हैं, जो काफी अच्छे हैं, पर इसके बावजूद, इन विषयों ने कांग्रेस पार्टी को नुकसान पहुँचाया है।

राहुल को जब-जब मौका मिलता है, वे बड़े व्यवसाय और कॉर्पोरेट भारत पर अडानी के नियंत्रण तथा नरेंद्र मोदी के साथ उनकी नजदीकी के खिलाफ बोलते रहे हैं।

वे इन तीनों ही बिन्दुओं के इस हद तक आलोचक हैं कि उनकी छवि व्यवसाय-विरोधी तथा कॉर्पोरेट-विरोधी राजनेता की बन गई है और इससे पार्टी को भारी नुकसान हो रहा है। अपनी इस छवि को सुधारने के उद्देश्य से, राहुल ने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दैनिकों में एक लेख लिखा है, जिसमें उन्होंने इस आम धारणा को ठीक करने की कोशिश की है कि वे कॉर्पोरेट या बड़े व्यवसाय के विरोधी हैं।

‘झारखंड में “शैडो एडवर्टाइजिंग” राजनैतिक दलों के पेज से भी ज्यादा हानिकारक साबित हो रही है’

शैडो एडवर्टाइजिंग राजनैतिक दलों से सम्बद्ध संस्थाएं कर रही हैं, जिन पर पाबंदियां लगाना मुश्किल है

—श्री नन्द झा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 6 नवम्बर। चुनाववाधीन राज्य झारखंड में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों, जैसे इंस्टाग्राम और फेसबुक का उपयोग राजनैतिक उद्देश्यों के लिये किया जा रहा है। गुणनाम अकाउन्ट्स (शैडो अकाउन्ट्स) के माध्यम से किया जा रहा यह राजनैतिक खेल भाजपा द्वारा प्रेरित-प्रोत्साहित बताया जा रहा है। “टैक जस्टिस लॉ प्रोजेक्ट”, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल “इंडियन सिविल वॉच इन्टरनेशनल”, “हिन्दूज़ फॉर ह्यूमन राइट्स” तथा “दलित सांलिडरिटी फोरम” द्वारा तैयार की गई एक संयुक्त रिपोर्ट कहती है कि इंस्टाग्राम एवं फेसबुक के ये शैडो अकाउन्ट्स साम्प्रदायिक रूप से बाँटने वाले मैसेज

■ टैक जस्टिस लॉ प्रोजेक्ट, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउन्सिल, इंडियन सिविल वॉच इंटरनेशनल, हिंदूज़ फॉर ह्यूमन राइट्स और दलित सांलिडरिटी फोरम ने संयुक्त रूप से तैयार अपनी रिपोर्ट “झारखंड शैडो पॉलिटिक्स” में यह बात कही है।

■ रिपोर्ट के अनुसार शैडो एडवर्टाइजिंग के जरिए यौन हिंसा के लिए मुसलमानों को “स्टीरियोटाइप” किया जा रहा है, राजनैतिक दल यह कहते तो गैर कानूनी हो जाता।

■ शैडो एडवर्टाइजिंग के जरिए साम्प्रदायिक वैमनस्य को बढ़ाया जा रहा है, ग्राफिक्स के जरिए “बंटो तो कटो” नारे का प्रचार किया जा रहा है।

रिपोर्ट में चार मुख्य बातें चिन्हित की गई हैं, जिन्हें प्रचारित-प्रसारित करने की कोशिश ये शैडो अकाउन्ट्स कर रहे हैं। पहला बिन्दु मुस्लिम पुरुषों की नकारात्मक रूढ़िवादिता से सम्बन्धित है। इन अकाउन्ट्स की बहुत सारी पोस्ट झारखंड में यौन-हिंसा को रेखांकित कर रही हैं तथा इन सबका दोष मुस्लिम पुरुषों तथा हेमन्त सोरेन सरकार की निष्कियता पर मढ़ा जा रहा है। दूसरा बिन्दु “आदिवासी मुख्यमंत्री को अमानवीयकृत छवियों” से सम्बन्धित है। इन पोस्टों में सोरेन की तस्वीरों में उनके सींग दिखाये जा रहे हैं या उन्हें कोड़े-मकोड़े के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है तथा इन छवियों के साथ प्रस्तुत मुद्रित सामग्री में, उनके काम-काज तथा नीतियों की आलोचना की गई है। रिपोर्ट (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर की कॉलोनी में तेंदुए से भय फैला

उदयपुर, 6 नवम्बर। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 10 लोगों का शिकार करके आतंक मचाने वाले तेंदुए ने इस बार शहर की एक कॉलोनी में अपनी उपस्थिति दर्शाकर शहर के बस्ती क्षेत्र में भय पैदा कर दिया है।

■ बुधवार रात 2 बजे तेंदुआ चौक में खड़ी एक गाड़ी के नीचे बैठे श्वान को घसीट कर ले जाने लगा। आस-पास के अन्य श्वान इकट्ठे होकर भाँकने लगे। शोर मच जाने पर तेंदुआ भाग गया। सारी घटना सी.सी.टी.वी. में कैद हो गई।